

~~Not Res~~
~~Sey~~
~~are~~

29/9 पत्रावली में यह दृष्टि (वही) से
कि सिद्ध रूप। वही दृष्टि सिद्ध रूप
नहीं प्रकट किताब है। ने इन्हें
इस रूप के साथ ही नहीं बदलना चाहते
हैं। वही। इन्हें इस रूप में प्रकट
हैं। ~~किसी~~ किताब जो रा ही पत्रावली
के साथ ही प्रकट होना चाहता है
वही है।

